ई-न्यूज

24 न्यूज अपडेट

WebSite.: https://24newsupdate.in

उदयपुर, मंगलवार 19 नवम्बर 2024

Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com

वर्ष 1 अंक 256

महाराष्ट्र में चुनाव से पहले हंगामा, BJP पर पैसे बांटने का आरोप, BVA बोली- तावड़े ने 5 करोड़ रुपये बांटे



24 न्यूज अपडेट

मुंबईः महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव से एक दिन पहले नालासोपारा में एक होटल में भाजपा पर पैसे बांटने का आरोप लगाते हुए बहुजन विकास अघाड़ी (BVA) के कार्यकर्ताओं ने विनोद तावड़े को घेर लिया है. इस दौरान होटल में बहुजन विकास अघाड़ी के कार्यकर्ताओं और भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हो गई.

बताया गया है कि बीवीए के कार्यकर्ताओं ने विरार के मशहूर विवांता होटल में विरोध प्रदर्शन किया. जब भाजपा कार्यकर्ता कथित रूप से मतदाताओं को पैसे बांट रहे थे, तो बहुजन विकास अघाड़ी के कार्यकर्ताओं ने उन्हें पकड़ लिया. इसके बाद बीवीए के कार्यकर्ताओं ने होटल में हंगामा शुरू कर दिया. जानकारी मिलने पर विरार पुलिस की टीम मौके पर पहुंच गई है.

बताया जा रहा है कि नालासोपारा पूर्व के विवांता होटल में पैसे बांटे जाने की घटना सामने आने के बाद नालासोपारा के वर्तमान विधायक और बहुजन विकास अघाड़ी के उम्मीदवार क्षितिज ठाकुर तुरंत मौके पर पहुंचे और चुनाव अधिकारी और पुलिस को घटना की जानकारी दी. क्षितिज ठाकुर ने अपना गुस्सा जाहिर करते हुए कहा कि भाजपा मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए बड़े पैमाने पर पैसे का दुरुपयोग कर रही है, जो बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है. 5 करोड़ रुपये लेकर आए थे विनोद तावड़े ! बहुजन विकास अघाड़ी के नेता हितेंद्र ठाकुर ने भी इस घटना पर अपनी प्रतिक्रिया दी है. उन्होंने आरोप लगाया कि विनोद तावड़े विवांता होटल में 5 करोड़ रुपये लेकर आए थे. पुलिस के होटल पहुंचने के बाद उन्हें दो डायरियां भी मिलीं. विनोद तावड़े कह रहे हैं कि वहां एक बैठक चल रही थी. लेकिन क्या भाजपा के राष्ट्रीय नेता को यह नहीं पता कि मतदान से 48 घंटे पहले बाहरी नेताओं को निर्वाचन क्षेत्र छोड़ना पड़ता है? क्या तावड़े में इतनी भी समझदारी नहीं है?

मणिपुर में मारे गए कुकी उग्रवादियों के समर्थन में प्रदर्शनःसैकड़ों लोग खाली ताबूत लेकर सड़कों पर उतरे; कांग्रेस बोली- मोदी जी मणिपुर जाइए



24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली/इंफाल. मणिपुर में 11 नवंबर को सुरक्षाबलों से मुठभेड़ में मारे गए 10 कुकी उग्रवादियों के लिए न्याय की मांग करते हुए कुकी समुदाय लगातार प्रदर्शन कर रहा है। मंगलवार को भी जिरिबाम और चुराचांदपुर जिले में सैकड़ों लोगों ने 10 खाली ताबूत लेकर मार्च निकाला।

मणिपुर पुलिस के अनुसार, पिछले हफ्ते जिरिबाम के बोरोबेकरा पुलिस स्टेशन और पास के जकुराधोर में CRPF कैंप पर वर्दीधारी उग्रवादियों ने अंधाधुंध गोलीबारी की थी। इसके बाद सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में दस संदिग्ध उग्रवादी मारे गए। हालांकि कुकी समुदाय का कहना है कि वे लोग विलेज वॉलंटियर्स थे।

यह रैली ज्वाइंट फिलैंथ्रोपिक ऑर्गनाइजेशन (JPO) ने आयोजित की थी। सुबह करीब 11 बजे शुरू हुई इस रैली में सैकड़ों लोग हाथों में पोस्टर लिए शामिल हुए। इन पोस्टर्स पर मारे गए लोगों के लिए न्याय और पहाड़ी क्षेत्रों में अलग प्रशासन की मांग की गई थी।

इस बीच कांग्रेस ने कहा है कि पीएम मोदी को अपनी जिद छोड़कर मणिपुर जाना चाहिए। कांग्रेस नेता पी चिदंबरम ने कहा- मणिपुर की समस्या से निजात पाने के लिए 5 हजार जवानों को भेजना हल नहीं है। मुख्यमंत्री बीरेन सिंह को तुरंत हटाना चाहिए। कुकी, मैतेई और नगा एक राज्य में रह सकते हैं, बशर्ते उन्हें क्षेत्रीय स्वायत्तता (Regional Autonomy) दी जाए।

मणिपुर सरकार का प्रस्ताव पास- कुकी उग्रवादियों पर कार्रवाई हो सोमवार को सत्ताधारी NDA और नेशनल पीपुल्स पार्टी (NPP) के 27 विधायकों की मीटिंग हुई। इसमें प्रस्ताव (रेजोल्यूशन) पास हुआ कि 7 दिन में कुकी उग्रवादियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की जाए। यह भी कहा कि जिरीबाम में 6 महिलाओं-बच्चों की मौत के लिए कुकी आतंकी ही जिम्मेदार हैं।

मीटिंग में तय हुआ कि केंद्र, राज्य में लागू AFSPA का रिव्यू करेगा। राज्य सरकार ने AFSPA लागू करने का ऑर्डर 14 नवंबर को जारी किया था। जिरिबाम में 6 मैतेई महिलाओं-बच्चों और बिष्णुपुर में एक मैतेई महिला की हत्या की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी (NIA) को सौंप दी गई है।

दिल्ली में कराई जाएगी कृत्रिम बारिश, गोपाल राय ने पीएम मोदी से हस्तक्षेप करने की अपील की



24 न्यूज अपडेट

नई दिल्लीः दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण के संकट से निपटने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से कृत्रिम वर्षा करने के लिए हस्तक्षेप करने की मांग की है. गोपाल राय ने केंद्रीय मंत्री को 30 अगस्त, 10 अक्टूबर और 23 अक्टूबर को पत्र भेजकर प्रदूषण की गंभीर स्थिति पर तत्काल कार्रवाई की मांग की, लेकिन उन्हें अभी तक कोई जवाब नहीं मिला है. वहीं दूसरी ओर प्रदूषण से दिल्ली के लोग परेशान हैं.

जानिए कैसे कराई जाती है कृत्रिम बारिशः कृत्रिम बारिश क्लाउड सीडिंग नाम की तकनीक के जरिए करवाई जाती है. इसके तहत बादलों पर सिल्वर आयोडाइड और क्लोराइड जैसे नमक के कणों का छिड़काव किया जाता है. कहीं पर इसके लिए एक विशेष विमान का इस्तेमाल किया जाता है, कहीं रॉकेट का और कहीं जमीन पर मौजूद विशेष उपकरणों का नमक के ये कण बादल में मौजूद वाष्प को अपनी तरफ खींच लेते हैं. इससे नमी भी खिंची चली आती है जो गाढ़ी हो कर पानी की बूंदों का रूप धारण कर लेती है और बारिश बन कर बरस जाती है. कोशिश यह होती है कि बादल के प्राकृतिक विकास के क्रम को बदल दिया जाए, ताकि कृत्रिम रूप से बारिश करवाई जा सके.

कृत्रिम बारिश एक मौसम में बदलाव की तकनीक : कृत्रिम बारिश एक मौसम में बदलाव की तकनीक है जो कुछ प्रकार के सब-फ्रीज़िंग बादलों में छोटे बर्फ के टुकड़ों को शामिल करके बारिश या बर्फ पैदा करने की बादल की क्षमता में सुधार करती है. बादलों के मध्य बर्फ के छोटे-छोटे टुकड़े बादलों पर गिराने से बादल नए बर्फ के टुकड़े तेजी से बढ़ते हैं और बादलों से वापस पृथ्वी की सतह पर गिरते हैं, जिससे स्नोपैक और स्ट्रीमफ्लो बढ़ जाता है और बारिश होती है.

गोपाल राय ने की केंद्र से कृत्रिम बारिश की अपीलः दिल्ली में बढ़ते वायु प्रदूषण से स्थिति इस कदर बिगड़ चुकी है कि गोपाल राय ने अब केंद्र सरकार से कृत्रिम बारिश कराने की मांग की है. गोपाल राय ने कहा कि विशेषज्ञों के अनुसार कृत्रिम बारिश एक प्रभावी उपाय हो सकती है, जिससे दिल्ली की हवा में मौजूद खतरनाक प्रदूषकों को नियंत्रित किया जा सके. दिल्ली में कृत्रिम वर्षा करने के लिए केंद्रीय पर्यावरण मंत्री को कई बार पत्र लिखा गया लेकिन केंद्रीय मंत्री से कोई प्रतिक्रिया न मिलने के बाद दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने एक ऑनलाइन बैठक बुलाकर इस मुद्दे को उठाया.

आईआईटी कानपुर के विशेषज्ञों के साथ बैठक की मांग : गोपाल राय ने कहा, "मैं इस संबंध में केंद्रीय पर्यावरण मंत्री को एक पत्र लिख रहा हूं. केंद्र सरकार को इस मुद्दे पर तुरंत एक आपात बैठक बुलानी चाहिए. इस बैठक में आईआईटी कानपुर के विशेषज्ञों को शामिल किया जाए, जिससे इस गंभीर समस्या का वैज्ञानिक समाधान निकाला जा सके."

पीएम मोदी से हस्तक्षेप करने की अपील : गोपाल राय ने यह भी आरोप लगाया कि बीजेपी सरकार इस मुद्दे पर गंभीर नहीं है. आज बीजेपी की सरकार सिर्फ बैठी हुई है. केंद्र सरकार ने इस मामले में एक बैठक तक नहीं बुलाई. गोपाल राय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी हस्तक्षेप करने की अपील की. उन्होंने कहा, "यह मेडिकल इमरजेंसी का मामला बन चुका है. दिल्ली में प्रदूषण के कारण लोगों की सेहत पर गंभीर असर पड़ रहा है और सरकार को इस समस्या का समाधान निकालना चाहिए. अगर सरकार समाधान नहीं दे पा रही है, तो कृत्रिम वर्षा पर एक बैठक बुलाने की पहल करनी चाहिए."

MP में टैक्स फ्री होगी फिल्म 'द साबरमती रिपोर्ट' :सीएम बोले- खुद देखने जाऊंगा, मंत्री-विधायकों को भी भेजेंगे; पीएम भी कर चुके हैं तारीफ



24 न्यूज अपडेट

भोपाल. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंगलवार को गोधरा कांड पर बनी फिल्म 'द साबरमती रिपोर्ट' की तारीफ की है। सीएम ने कहा है कि साबरमती अच्छी फिल्म बनी है। मैं खुद भी देखने जा रहा हूं। मंत्री, सांसद, विधायकों को भी फिल्म देखने के लिए भेजेंगे और कहेंगे। इस फिल्म को टैक्स फ्री भी करने जा रहे हैं ताकि अधिक से अधिक लोग फिल्म देख सकें। सीएम ने कहा- अतीत के काल में ऐसा काला अध्याय है जो फिल्म के माध्यम से दिखाया गया है। दूध का दूध और पानी का पानी इस पिक्चर को देखने में समझ में आता है। राजनीति अपनी जगह है लेकिन वोटों की राजनीति के लिए इतना गंदा खेल खेलना खराब बात थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तब मुख्यमंत्री रहे हैं, उन्होंने इस घटना के दौरान कुशलता के साथ गुजरात की और देश की इज्जत बचाई है। इसलिए इस सत्य के आने के बाद दूध का दूध और पानी का पानी दिखाई देना ही चाहिए।

सेंसेक्स ऊपरी स्तर से 873 अंक फिसलाःये 77,578 के स्तर पर बंद हुआ, निफ्टी भी हाई से करीब 262 अंक गिरा

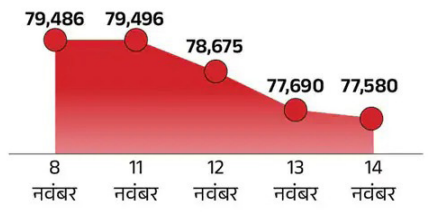

24 न्यूज अपडेट

मुंबई सेंसेक्स आज यानी, 19 नवंबर को 240 अंक की तेजी के साथ 77,578 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 65 अंक चढ़ा। ये 23518 पर बंद हुआ। हालांकि, दिन के ऊपरी स्तर से सेंसेक्स में 873 अंक की गिरावट देखने को मिली। सुबह सेंसेक्स करीब 1000 अंक ऊपर था। वहीं ऊपर स्तर से निफ्टी 262 अंक फिसल गया। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 18 में बढ़त और 12 शेयरों में गिरावट देखने को मिली। आज ऑटो, एनर्जी और IT शेयर्स में ज्यादा बढ़त देखने को मिली। M&M के शेयर में 3% और टाटा मोटर्स के शेयर में करीब 1.3% की तेजी रही।

एशियाई बाजारों में मिलाजुला कारोबार

एशियाई बाजार में जापान के निक्केई में 0.51% की बढ़त रही। वहीं कोरिया के कोस्पी में 0.12% की तेजी और चीन के शंघाई कम्पोजिट में 0.67% की गिरावट देखने को मिली। 18 नवंबर को अमेरिका का डाओ जोंस 0.13% गिरकर 43,389 पर बंद हुआ। वहीं S&P 500 0.39% बढ़कर 5,893 पर और नैस्डैक 0.60% बढ़कर 18,791 पर बंद हुआ। NSE के डेटा के अनुसार, विदेशी निवेशकों (FIIs) ने 18 नवंबर को 1,403 करोड़ के शेयर बेचे। इस दौरान घरेलू निवेशकों (DIIs) ने 2,330 करोड़ के शेयर खरीदे।

7 राज्यों में घने कोहरे का अलर्टः राजस्थान के सीकर में तापमान 6.5 पहुंचा



24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली/ भोपाल/ जयपुर/ श्रीनगर. देश में ठंड और कोहरे का असर लगातार बढ़ता जा रहा है। मौसम विभाग ने मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली, हरियाणा और बिहार में एक-दो दिन घने कोहरे का अलर्ट जारी किया गया है। राजस्थान में ठंड का असर सबसे ज्यादा देखने को मिल रहा है। सीकर के फतेहपुर में मंगलवार को न्यूनतम तापमान 6.5 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। भरतपुर में कोहरे के कारण विजिबिलिटी 50 मीटर से कम रह गई। हालांकि देश में सबसे कम विजिबिलिटी (जीरो मीटर) आगरा में दर्ज की गई। मौसम विभाग के मुताबिक, यहां आने वाले कुछ दिनों में कोहरा बना रहेगा। उधर, मध्य प्रदेश में भी भोपाल, ग्वालियर, भिंड, मुरैना और दतिया में घना कोहरा देखने को मिला। इससे विजिबिलिटी काफी कम हो गई। मौसम विभाग ने कहा है कि पहाड़ों में बर्फबारी के कारण MP में ठंड बढ़ी है।

जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में बर्फबारी का दौर लगातार जारी है। सोनमर्ग में सोमवार शाम से शुरू हुई बर्फबारी मंगलवार सुबह भी जारी रही। इस कारण पूरे उत्तर भारत में तापमान में गिरावट दर्ज की गई। राजस्थान में सर्दी का असर तेज हो गया है। सीकर के फतेहपुर में मंगलवार को न्यूनतम तापमान 6.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। श्रीगंगानगर और हनुमानगढ़ में दो दिन से कोहरा कम है, लेकिन सर्दी का असर तेज है। भरतपुर में आज कोहरे के कारण विजिबिलिटी 50 मीटर से कम रही।

संपादकीय : मणिपुर की आग

इससे बड़ी विडंबना और क्या होगी मणिपुर में हिंसा की शुरुआत के डेढ़ वर्ष से ज्यादा बीत चुके हैं, मगर आज भी वहां अराजकता बेलगाम और सरकार लाचार खड़ी दिखती है। आखिर क्या वजह है कि हर कुछ रोज बाद हिंसा की बड़ी घटनाएं एक तरह से सरकार के सामने चुनौती देती हुई लग रही हैं और उस पर काबू पाने में वहां का प्रशासन पूरी तरह से नाकाम है । कुछ दिन पहले वहां गंभीर हिंसक घटनाओं का नया दौर फिर से शुरू हो गया है और आम लोगों की जान जा रही है। हाल ही में एक महिला की हत्या करके उसका घर जला दिया गया था। उसके बाद एक अन्य शिविर से छह लोग लापता हो गए। बाद में उनके शव मिलने की खबरें आईं। अब स्थानीय लोगों के बीच सरकार की इस व्यापक नाकामी के खिलाफ गुस्सा भड़क गया है। और इस तरह हिंसा का दायरा अब और फैलता जा रहा है। अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि वहां कुछ लोगों ने अब विधायकों और मंत्रियों के घरों में आग लगाना शुरू कर दिया है। शनिवार और रविवार को कई विधायकों और मंत्रियों के घरों पर लोगों की भीड़ ने हमला किया, आग लगा दी और बड़े पैमाने पर तोड़फोड़ की । यह समझना मुश्किल नहीं है कि कुकी और मैतेई समुदायों के बीच लंबे समय से चल रही हिंसा के बाद अब लोगों का गुस्सा सरकार खिलाफ भड़क रहा है और नेता भी हमलों के निशाने बनने लगे हैं। निश्चित रूप से यह स्थिति किसी भी हाल में उचित नहीं मानी जा सकती, मगर ताजा हिंसा से यही लगता है कि इसमें शामिल दोनों समुदाय अब शायद इससे ऊब रहे हैं और उनका आक्रोश सरकार और राजनीतिक तबके के खिलाफ फूट रहा है। सवाल है कि किसी भी सरकार को अपना समूचा सुरक्षा तंत्र झोंकने के बाद हिंसक घटनाओं पर काबू पाने में कितना वक्त लगना चाहिए? पिछले वर्ष मई महीने में मैतेई समुदाय को जनजाति का दर्जा दिए जाने के सवाल पर दो समुदायों के बीच जिस हिंसक टकराव की शुरुआत हुई थी, उसमें अब तक सवा दो सौ से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। राज्य सरकार की पुलिस और अन्य सुरक्षा बलों के साथ - साथ सेना तक ने वहां मोर्चा संभाला। सुप्रीम कोर्ट और केंद्र सरकार की ओर से शांति कायम करने के लिए कई स्तर पर कवायदें हुईं। मगर हालत यहां तक पहुंच गई है कि अराजकता पर काबू पाना तो दूर, अब मंत्री-विधायकों के घर भी हिंसा की आग का शिकार होने लगे हैं। कहने को शांति कायम करने के मकसद से दोनों पक्षों के बीच बातचीत की प्रक्रिया शुरू कराने का दावा कई बार किया गया, लेकिन आज भी वहां जिस तरह लोगों के घरों पर हमले किए जा रहे हैं, उसमें किसी की हत्या कर दी जा रही है, उससे साफ है कि सरकार की कोशिशें या तो बेमन से की गई या फिर उसके पीछे कोई स्पष्ट दृष्टि और इच्छाशक्ति नहीं थी । हैरानी की बात यह है कि अब भी सरकार एक तरह से 'सब कुछ सामान्य होने' की मुद्रा में बेफिक्र दिख रही है। वरना क्या कारण है कि राज्य में गृह युद्ध की हालत लंबे वक्त से कायम है, लेकिन केंद्र की ओर से भी राज्य सरकार को जवाबदेह ठहराने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। अब फिर सीआरपीएफ की पचास कंपनियां भेजने का फैसला किया गया है, मगर वहां की हिंसा अब जिस शक्ल में पहुंच गई लगती है, उसके लिए अब बहाने बनाने के बजाय तात्कालिक तौर पर हिंसा को रोक कर उसकी जड़ों को सुलझाने की जरूरत है।

लक्ष्य से दूर

एक तरफ दुनिया जलवायु संकट का सामना कर रही है, तो दूसरी तरफ विकसित देश अपने दायित्व से मुकरते दिख रहे हैं। हैरत है कि वे विकासशील देशों पर जिम्मेदारी थोपते हैं, वहीं वे सर्वाधिक ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन भी करते हैं। इस तरह विश्व का जलवायु संकट दूर करने का संकल्प हर बार अधूरा रह जाता है। यही वजह है कि दुनिया का एक बड़ा हिस्सा जलवायु परिवर्तन के सबसे बुरे दौर से गुजर रहा है। जलवायु परिवर्तन और वैश्विक तापमान जिस तरह बढ़ रहा है, वह केवल गरीब देशों की समस्या नहीं हैं। इसकी आंच विकसित देशों तक भी पहुंच रही है। बावजूद इसके बाकू में आयोजित 'सीओपी 29 शिखर सम्मेलन के पहले सप्ताह का कोई हासिल नहीं है, तो यह चिंता की बात है इस पर भारत सहित विकासशील देशों की निराशा स्वाभाविक है। यह समझना मुश्किल है कि इस मुद्दे पर न्यायसंगत जिम्मेदारी लेने के लिए बड़े देश क्यों तैयार नहीं है ? सभी जानते हैं कि वित्तीय और प्रौद्योगिकी की मदद के बिना विकासशील देश अपने बूते जलवायु संकट से नहीं निपट सकते। जिन देशों के पास सर्वाधिक क्षमता और संसाधन है, उनकी बेरुखी डराती है। आज जरूरत इस बात की है कि चरम जलवायु परिवर्तन की ओर बढ़ रही दुनिया जल और पर्यावरण को बचाने के लिए एकजुट हो। जलवायु सम्मेलन यानी 'सीओपी 29' का किसी ठोस और नतीजा देने वाले निष्कर्ष की ओर न बढ़ना यह दर्शाता है कि विकसित और विकासशील देशों में किसी मुद्दे पर अभी एकराय नहीं है। गंभीरता से चर्चा न होने पर भारत ने सवाल उठाया है। इसके समांतर डोनाल्ड ट्रंप की सत्ता में दोबारा वापसी के बाद आशंका जताई जा रही है कि अमेरिका जलवायु संकट से निपटने की अपनी प्रतिबद्धताओं से पीछे हट सकता है। दरअसल, ट्रंप ने जलवायु परिवर्तन को ही धोखा करार दिया है और कहा है कि वह पेरिस समझौते से अमेरिका को बाहर निकालेंगे। अगर अमेरिका इस रुख पर कायम रहता है, तो इस सम्मेलन का क्या औचित्य रहेगा? बड़े देश ही पल्ला झाड़ेंगे और ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन में मनमानी भी करेंगे, तो विकासशील देशों के लिए यह कैसे संभव है कि वे अपने दम पर अगली पीढ़ी को स्वच्छ और सुरिक्षत दुनिया दे पाएं !

थाईलैंड की युवती के बने थे छेड़छाड़ के वीडियो, जंगल छाने पर पिस्टल नहीं मिली, सवाल-वीडियो बनने के बावजूद युवती ने विरोध नहीं किया??



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। सुखेर थाना क्षेत्र में थाइलैण्ड की युवती को गोली लगने के मामले में पुलिस जो बताया उसमें से कुछ गले उतरने वाला नहीं है। एक युवक थाइलैण्ड गया, वहां उसकी युवती से दोस्ती हो गई व उसके बाद वो युवक के बुलावे पर उदयपुर आ गई। अब पुलिस ने जांच में पाया है कि युवकों ने युवती से छेड़छाड़ के वीडियो बना लिए थे। ये वीडियो उनके मोबाइल से जब्त किए गए। अब सवाल यह उठ रहा है कि जब वीडियो बना रहे थे तब युवती क्या कर रही थी? उसने विरोध क्यों नहीं किया। इसके अलावा जो पिस्टल फायर के लिए काम में ली गई उसको चारों जंगल में ऐसा फेंका कि आज तक नहीं मिली है। पुलिस की टीम जंगल-जंगल तलाष कर रही है। एक और सवाल यह उठ रहा है कि थाईलैंड की रहने वाली युवती माली कॉलोनी के होटल वीर पैलेस से टैक्सी में अकेली चित्रकूट नगर स्थित रत्नम होटल निर्बाध रूप से पहुंच गई। जाते ही उस कमरे में भी चली गई जहां पर पहले से कुछ युवक ठहरे हुए हैं जो लगातार "राब पी रहे थे। क्या उसको रिसेप्षन पर किसी ने नहीं रोका। पूछा भी नहीं कि भाई आधी रात को क्या काम है??? या फिर वहां भी मिलीभगत का खेल चल रहा था। या चलता आ रहा था। बहरहाल, चारों आरोपियों को रिमांड की अवधि समाप्त होने पर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। इस बारे में जो रिपोर्ट थाने में दर्ज हुई है उसके अनुसार 8 नवम्बर सुबह अक्षय व दो दोस्त आए और दिनभर होटल के कमरे में बाहर से शराब मंगवाई, पार्टी करते रहे। रात डेढ़ बजे थाईलैंड की युवती कार से आई और अक्षय के 104 नवम्बर के कमरे में चली गई। सुबह 3.40 बजे कमरे के अंदर से गोली चलने की आवाज आई व थाईलैण्ड की युवती को आरोपी उठाकर बाहर ले गए। चारों उसे अस्पताल में छोड़कर भाग गये। आपको बता दें कि इस मामले में पुलिस टीम ने जांच पड़ताल करते हुए ई-क्लास शिव मंदिर के पीछे प्रतापनगर निवासी अक्षय पुत्र दीपक खूबचंदानी, स्वरूपगंज सिरोही निवासी राहुल पुत्र महेन्द्रसिंह गुर्जर, युनिवर्सिटी रोड निवासी धुरव पुत्र इंद्रप्रकाश सुहालका, आदर्श नगर युनिवर्सिटी मार्ग के रहने वाले महिम पुत्र नंदकिशोर चैधरी को रिमांड पर लिया। रिमांड अवधि में उन्होंने कहा कि पिस्टल जंगल में फेंक दी, कहां फेंकी "राब के नषे में याद नहीं रहा। एक युवक पहले से थाइलैण्ड की युवती को जानता था। उन्होंने उसे षड्यंत्रपूर्वक उदयपुर बुलाया और होटल में ठहराया। 8 नवम्बर रात की बात है। टैक्सी लेकर होटल में युवती पहुंची और उसके साथ आरोपियों ने अश्लील हरकतें की। विडियो भी मोबाइल बनाए। पुलिस टीम ने तीन आरोपियों से मोबाइल बरामद किए। कोर्ट ने उन्हें जेल भेज दिया। आरोपियों की ओर से पेश जमानत प्रार्थना पत्र नामंजूर हो गए।

ट्रैक्टर की टक्कर से बाइक सवार युवक घायल:हेलमेट से बची जान, गाड़ी हो गई चकनाचूर



24 न्यूज अपडेट

राजसमंद.राजसमंद में कुंवारिया थाना इलाके में तेज रफ्तार के ट्रैक्टर की चपेट में आने से बाइक सवार घायल हो गया। इस दौरान हेलमेट लगा होने के कारण बाइक सवार की जान बच गई।

काली मंगरी चौराहे पर तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने बाइक को टक्कर मार दी, जिससे बाइक सवार युवक दूर जाकर गिर गया। वही बाइक ट्रैक्टर के बड़े टायर के नीचे आ गई, जिससे बाइक पूरी तरह से चकनाचूर हो गई।

जानकारी के अनुसार ट्रैक्टर ने लाठियां खेड़ी गांव निवासी किशन दास (40) पुत्र भंवर दास को चपेट में ले लिया जिसे वह घायल हो गया। घटना के दौरान मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। राहगीरों ने दुर्घटना की सूचना 108 एंबुलेंस को दी, जिस पर एम्बुलेंस की मदद से घायल बाइक सवार को आरके हॉस्पीटल पहुंचाया गया।

ग़नीमत रही की बाइक सवार के सिर पर हेलमेट लगा होने से सिर में चोट लगने से बच गई। राहगीरों ने बताया कि ट्रैक्टर की भिड़ंत इतनी जबरदस्त थी कि चौराहे पर लगाया हुआ लोहे का बोर्ड टूट गया। ट्रैक्टर पास में स्थित मवेशियों के पानी पीने के हौज से टकरा गया। जिससे ट्रैक्टर का आगे का टायर टूट कर बड़े टायर के नीचे आ गया। दुर्घटना के बाद ट्रैक्टर ड्राइवर मौके से फरार हो गया। दुर्घटना के बाद कुंवारिया पुलिस ने मौके पर पहुंच कर बाइक व ट्रैक्टर को थाना परिसर पर खड़ा करवाया और जांच शुरू की।

ग्रामीणों ने बताया कि काली मंगरी सीमाल मार्ग पर लंबे समय से अवैध बजरी दोहन हो रहा है इस मार्ग पर ट्रैक्टर ड्राइवर ट्रैक्टर को तेज गति से चलाकर ले जाते है। जब कोई ट्रैक्टर को धीरे चलाने के लिए बोलता है तो बजरी माफिया लोगों से झगड़ा करते है।

जहाजपुर कस्बे के बाजार छठे दिन भी बंद:लोगों ने निकाला आक्रोश मार्च, धरना-प्रदर्शन में पहुंचे बजरंग दल के नेता

24 न्यूज अपडेट



भीलवाड़ा. शाहपुरा जिले के जहाजपुर कस्बे में गुरुवार को आंदोलन का छठा दिन है। कस्बे में कल्याण जी मंदिर के बाहर चल रहा धरना मंगलवार को भी जारी रहा। धरने को समर्थन देते हुए नगर के बाजार आज भी पूर्णतया स्वैच्छिक बंद रहे। कस्बे में लोग 6 दिन से रोज आक्रोश मार्च निकाल रहे हैं। मंगलवार को कल्याण जी के मंदिर से लोगों का आक्रोश मार्च शुरू हुआ। यह नगर के विभिन्न मार्गों से होता हुआ बस स्टैंड पहुंचा। इससे पूर्व रात्रि में कल्याण जी मंदिर के बाहर भजन संध्या का आयोजन किया जा रहा है। लोग अपनी मांगों के लेकर पिछले छ दिनों से प्रदर्शन पर है लेकिन अब तक कोई समाधान नहीं निकल पाया है। MLA गोपी मीणा की बातों और आश्वासन को लोगों ने नकार दिया है । लोग अब बातों के जगह ग्राउंड पर काम करवाने की मांग कर रहे हैं । इधर पीतांबर श्याम का बेवान भी पिछले दो माह से अधिक समय बीत जाने के बाद भी अपने निज धाम के स्थान पर कल्याण जी मंदिर परिसर में है।

आरोपियों का पैदल जुलूस निकाला, बोले-अपराध करना पाप है:खेरवाड़ा में शराब पीने के पैसे नहीं देने पर की थी मारपीट, गिरफ्तारी बाद खेरवाड़ा कस्बे में निकाला जुलूस

24 न्यूज अपडेट



उदयपुर. उदयपुर में खेरवाड़ा कस्बे के बंजारिया में बाइक सवार युवक से शराब के पैसे मांगने और उसके साथ मारपीट करने के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इन आरोपियों का खेरवाड़ा कस्बे में पैदल जुलूस निकाला। इस दौरान आरोपी ये कहते हुए चल रहे थे कि अब हम अपराध नहीं करेंगे। आरोपियों को देखने के लिए आसपास लोगों की भीड़ जुटती गई। जानकारी अनुसार मामले में पुलिस ने आरोपी आशीष पुत्र चुन्नीलाल डामोर निवासी बंजारिया और रामलाल पुत्र लक्ष्मण डामोर को गिरफ्तार किया।

थानाधिकारी दिलीप सिंह ने बताया कि 14 नवंबर की रात को बंजारिया ब्रिज पर हथियारों से लैस अज्ञात बदमाशों ने बाइक सवार युवक को रोककर मारपीट की थी। जिसका वीडियो किसी ने बना लिया और सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। इस पर खेरवाड़ा पुलिस ने घटना स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पीड़ित की बाइक के नंबर देखे और पीड़ित को खेरवाड़ा थाने बुलाया। पीड़ित से रिपोर्ट लेकर सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की तलाश शुरू की। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

शराब पीने के पैसे मांगे, नहीं दिए तो मारपीट की

जानकारी के अनुसार प्रार्थी गौतमलाल पुत्र मोगाजी मेघवाल निवासी रंदेला, सलूंबर ने थाने में रिपोर्ट दी थी। जिसमें बताया कि 14 नवंबर को वह अपने काका के लड़के शंकर के साथ बाइक से रुंदेला गांव से अहमदाबाद जा रहा था। खेरवाड़ा के बंजारिया ब्रिज के पास हथियारों से लैस 4 से 5 बदमाशों ने बाइक के आड़े आकर शराब पीने के पैसे मांगे। पैसे नहीं देने पर बदमाशों ने युवकों के साथ मारपीट की। अहमदाबाद जाने के चलते बाइक सवार प्रार्थी व उसका चचेरा भाई बिना थाने में रिपोर्ट दिए अहमदाबाद चले गए। पुलिस द्वारा सूचना पर प्रार्थी ने खेरवाड़ा थाने पहुंचकर रिपोर्ट दी।

कांग्रेस नेत्री के घर फायरिंग का मामला, एनकांउटर के बाद 2 आरोपी गिरफ्तार



24 न्यूज अपडेट

भीलवाड़ा : शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र में कांग्रेस नेत्री के घर जमीनी विवाद के चलते फायरिंग के मामले में कोतवाली पुलिस ने दो आरोपियों को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया है. पुलिस ने बदमाशों से दो पिस्टल व दो जिंदा कारतूस भी बरामद किए हैं. इन दोनों आरोपियों पर भीलवाड़ा पुलिस ने 10-10 हजार रुपए का इनाम भी घोषित कर रखा था.

पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र में स्थित नीलकंठ महादेव के पास कांग्रेस नेत्री पुष्पा सुराणा के घर पर 6 नवंबर को जमीनी विवाद के चलते फायरिंग की गई थी. पुलिस ने घटना की गंभीरता को देखते हुऐ विशेष टीम का गठन किया और पुष्पा सुराणा के पति की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया. टीम ने घटनास्थल के आसपास सीसीटीवी कैमरे खंगाले. पुलिस ने इन अपराधियों को पकड़ने के लिए 10-10 हजार रुपए का इनाम भी घोषित किया. बदमाशों ने पुलिस पर की फायरिंग : एसपी ने बताया कि पुलिस की विशेष टीम ने फायरिंग के आरोपियों कमलेश खाती व राहुल सेन को हरणी महादेव के जंगलों में होने की सूचना मिली. पुलिस की टीम को दोनों बदमाशों ने देखते ही फायर कर दिया. जवाबी कारवाई करते हुए पुलिस ने उनके पैर में गोली मारी. दोनों का इलाज भीलवाड़ा के महात्मा गांधी अस्पताल में कराया. इसके बाद पुलिस ने अस्पताल से कमलेश खाती और राहुल सेन को गिरफ्तार करते हुए दो पिस्टल और दो जिंदा कारतूस के साथ पुलिस पर दागे गए दो कारतूस भी बरामद किए हैं.

गूगल मैप देखने के बाद भटक गया रास्ता, कीचड़ में फंसा, 7 घंटे बाद पुलिस ने बचाया



24 न्यूज अपडेट

वट्टालकुंडुः तमिलनाडु के डिंडीगुल जिले के वट्टालकुंडु में दिव्यांगों के लिए डिजाइन किए गए विशेष स्कूटर के साथ एक दिव्यांग व्यक्ति कीचड़ में फंस गया था. पुलिस नियंत्रण कक्ष को सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और अपने वाहन के साथ कीचड़ में फंसे भगवान अयप्पा के भक्त को बचाया. इस संबंध में ईटीवी भारत से बात करते हुए पुलिस अधिकारी ने कहा, "रविवार आधी रात को उन्हें जिला एसपी कार्यालय से फोन आया और उन्हें बारिश में फंसे कर्नाटक के व्यक्ति को बचाने के लिए जाने को कहा गया. इसके बाद उन्होंने जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय द्वारा उपलब्ध कराए गए मोबाइल नंबर को ट्रैस किया और इलाके में पहुंचे. वहां पहुंचने के बाद जब पुलिस ने व्यक्ति से फोन पर संपर्क किया तो वह कन्नड़ में बोल रहा था. फोन पर बातचीत में पुलिस को पता चला कि कर्नाटक का व्यक्ति भारी बारिश के बीच दिव्यांगों के लिए बनाए गए विशेष वाहन के साथ कीचड़ में फंस गया है और निकलने के लिए संघर्ष कर रहा है।

पुलिस ने बताया कि कर्नाटक के मंगलुरु का दिव्यांग परशुराम सबरीमाला में भगवान अयप्पा के दर्शन के बाद अपने वाहन से घर लौट रहा था और गूगल मैप देखने के बाद जल्दी से अपने घर पहुंचने के लिए चौराहे पर मुड़ गया. रविवार रात 7 बजे वट्टालकुंडु के पास में एम. वडिप्पति इलाके में प्रवेश करने वाला व्यक्ति राष्ट्रीय राजमार्ग से जुड़ने वाली सड़क से चूक गया और समुद्रम कनमई जाने वाली सड़क पर चला गया और कनमई इलाके में कीचड़ में फंस गया. रात में इलाके में लगातार बारिश हो रही थी, इसलिए कोई मदद के लिए नहीं आया।

रिश्तेदारों के जरिये कर्नाटक पुलिस को सूचना दी करीब 7 घंटे कीचड़ में फंसे रहे परशुराम ने अपने रिश्तेदारों के जरिये कर्नाटक पुलिस को सूचना दी. कर्नाटक से डिंडीगुल पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना दी गई. इसके बाद पुलिस ने रात 2 बजे अयप्पा भक्त को सुरक्षित बाहर निकाला. पुलिस ने अयप्पा भक्त परशुराम को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया और उन्हें भोजन कराया. सोमवार की सुबह पुलिस ने कीचड़ में फंसे वाहन को बाहर निकाला और अयप्पा भक्त को सुरक्षित उसके गृहनगर भेज दिया।

किराना व्यापारी से लूट की घटना में बाजार बंदःबदमाशों ने दिन-दहाड़े मारपीट की, जाते हुए धमकी भी दे गए थे



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर. उदयपुर के ओगणा थाना क्षेत्र में एक दिन पूर्व एक किराना व्यापारी पर हमला कर लूट की घटना के बाद आज मंगलवार को व्यापारियों ने विरोध जताते हुए दुकानें नहीं खोली। बाजार बंद रहे। सभी व्यापारियों नया बस स्टैंड पर एकत्रित हो गए। जहां से जुलूस के रूप से में थाने पहुंचे। यहां थानाधिकारी अजय राज सिंह को ज्ञापन सौंपा। जिसमें व्यापारियों ने दो दिन में आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की है।

व्यापारियों ने बताया कि दिन-दहाड़े बदमाशों के हौसलें बुलंद हो रहे हैं। वे दुकान में घुसकर व्यापारी के साथ मारपीट और लूट की घटना का अंजाम दे रहे हैं। व्यापारियों ने दो दिन में आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होने पर धरना-प्रदर्शन की चेतावनी दी है। वहीं, थानाधिकारी ने भी व्यापारियों को जल्द ही आरोपियों की गिरफ्तारी का आश्वासन दिया।

जाते हुए दुकान लूटने की धमकी दे गए बदमाश

जानकारी के अनुसार, घटना एक दिन पहले थाना क्षेत्र के नया बस स्टैण्ड की है जहां मनीष बापना की किराना की दुकान है। वहां तीन बाइक सवार बदमाश आए और जबरन दुकान में घुसकर व्यापारी से मारपीट करने लगे। बदमाशों ने गल्ले में से 5 हजार रुपए चुरा लिए।

व्यापारी ने शोर मचाया। जिस पर तुरंत आसपास दुकानदार पहुंचे लेकिन बदमाश इनसे धक्का-मुक्की करते हुए फरार हो गए। जाते-जाते बदमाश व्यापारी को उठाकर ले जाने और दुकान लूटने की धमकी देकर गए। इसके बाद पूरे बाजार में व्यापारी वर्ग में आक्रोश फैल गया। पीड़ित ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराते हुए आरोपियों को जल्द पकड़ने की मांग की है।

जोधपुर ब्यूटीशियन हत्याकांड- अब सीबीआई करेगी जांचःप्रशासन और परिजनों के बीच मांगों पर बनी सहमति, हनुमान बेनीवाल रात भर धरने पर बैठे



24 न्यूज अपडेट

जोधपुर. जोधपुर में ब्यूटीशियन अनीता चौधरी हत्याकांड के 21 दिन बाद मांगों पर सहमति बनने के बाद परिजनों ने धरना समाप्त किया। मामले की जांच अब सीबीआई करेगी। वहीं परिजनों को 51 लाख रुपए की आर्थिक सहायता, बेटे को संविदा पर नौकरी देने सहित अन्य मांगे भी मान ली गई है।

सरकार की ओर से प्रतिनिधि के रूप में ओसिया के विधायक भैराराम सियोल, जोधपुर कमिश्नर राजेंद्र सिंह, सूरसागर विधायक देवेन्द्र जोशी व एडीजे क्राइम आलोक और नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल, मृतका के पति मनमोहन व अन्य परिजनों के बीच सर्किट हाउस में वार्ता हुई। इसके बाद सभी धरना स्थल तेजा मंदिर पहुंचे और आज दोपहर करीब 3 बजे धरना समाप्ति की घोषणा की गई।

हनुमान बेनीवान ने सरकार के प्रतिनिधियों से की थी बात

बता दे कि ब्यूटीशियन अनीता चौधरी की हत्या का मामला 30 अक्टूबर को सामने आया था। मृतका की दुकान के सामने ड्राइक्लीनर की दुकान चलाने वाले के घर के बाहर गड्ढे से शव के टुकड़ों को बरामद किया गया था। इसके बाद दुकानदार गुलामुद्दीन को गिरफ्तार किया गया था। वहीं अनीता चौधरी के परिजन तेजा जी मंदिर में मांगों को लेकर धरना दे रहे थे। पोस्टमॉर्टम के बाद अंतिम संस्कार नहीं करवाने पर अड़े थे। प्रशासन लगातार परिजनों पर अंतिम संस्कार करवाने का दबाव बना रहा था। नफीसा नोटिस भी उनके घर के बाहर चिपकाया गया था। इसके बाद भी मांगों पर सहमति नहीं बनी रही थी। इस पर नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल सोमवार शाम धरना स्थल पर पहुंचे थे। काफी बड़ी संख्या में उनके समर्थक भी पहुंचे थे। उन्होंने रात को भी सरकार के प्रतिनिधियों से बात की थी।

आज सुबह वार्ता के बाद बनी मांगों पर सहमति

धरना समाप्त होने पर बेनीवाल ने मीडिया से बात की। उन्होंने कहा- कमिश्नर जोधपुर और ओसियां विधायक ने रात को धरना स्थल पर पहुंचकर मांगे माने जाने का आश्वासन दिया था। इसके बाद धरने पर बैठे लोगों को सुबह वार्ता के बाद नतीजे पर पहुंचने की बात कही थी। धरना दे रहे परिजन और सर्व समाज के लोगों ने रात तेजा मंदिर में ही गुजारी। सर्किट हाउस आज सुबह सर्किट हाउस वार्ता हुई। इसके बाद तेजा मंदिर धरनार्थियों के बीच गए और मांगों पर सहमति की बात बताई। आज सुबह परिजनों से वार्ता के बाद मांगों पर सहमति बनी। जिसमें- मामले की जांच सीबीआई को देने।

मृतका के परिजनों को आर्थिक सहायता के रूप में 51 लाख रुपए

बेटे को संविदा पर नौकरी

डीसीपी और SHO को हटाने की मांग प्रशासन ने मान ली है

आरोपियों के पॉलीग्राफी टेस्ट पर फैसला 20 को

मामले में आरोपी गुलामुद्दीन को पुलिस मुंबई लेकर गई थी। गुलामुद्दीन मुंबई में किस जगह ठहरा, उसने अनीता के गहने किसे बेचे आदि की जानकारी जुटाई। इसके बाद उसे जोधपुर लेकर आए। आरोपी के पॉलीग्राफी टेस्ट पर सोमवार को फैसला होना था लेकिन पुलिस उसे मुंबई ले गई थी।

अलवर के तीखे प्याज की बढ़ी डिमांड, कई राज्यों के व्यापारी पहुंचने लगे स्थानीय मंडी, विदेश से भी मांग



24 न्यूज अपडेट

अलवरः देश की दूसरी सबसे बड़ी प्याज मंडी में इन दिनों प्याज की बंपर आवक हो रही है. इसके चलते पूरी मंडी प्याज से अटी हुई है. अलवर के लाल प्याज की खासियत के चलते अब अन्य राज्यों के व्यापारी भी अलवर प्याज मंडी पहुंचने लगे हैं. वर्तमान में प्याज मंडी में 50 हजार से ज्यादा कट्टे की आवक हो रही है. प्याज व्यापारियों के अनुसार अलवर के प्याज की डिमांड दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, असम, झारखंड, हिमाचल प्रदेश, बंगाल सहित पड़ोसी देश बांग्लादेश से आ रही है. प्याज मंडी के संरक्षक व व्यापारी पप्पू सैनी ने बताया कि अलवर जिले का प्याज 15 अक्टूबर से 15 जनवरी तक चलता है. इस साल अलवर मंडी में प्याज की आवक बढ़ी है. अब अन्य राज्यों के व्यापारी भी यहां की मंडी में पहुंचने लगे हैं, जिसके चलते आवक के साथ-साथ प्याज की जावक भी हो रही है. उन्होंने बताया कि वर्तमान में 50-60 हजार से ज्यादा प्याज के कट्टों की आवक हो रही है. वहीं, पिछले कुछ दिनों में 80 हजार कट्टे तक प्याज मंडी में पहुंचे. प्याज के भाव पर पप्पू सैनी ने कहा कि वर्तमान में प्याज के भाव 25 रुपए से लेकर 36 रुपए प्रति किलो तक मिल रहा है. तीखा होने के चलते अन्य राज्यों में मांग : पप्पू सैनी ने बताया कि अलवर की लाल प्याज की विशेषता है कि यह स्वाद में तीखा होता है. इसी के चलते इसका उपयोग नॉन वेज व सब्जियां की ग्रेवी में तीखापन के लिए किया जाता है. इसके चलते ही इसकी डिमांड दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश व अन्य राज्यों तक रहती है. उन्होंने बताया कि वर्तमान में अलवर का प्याज विदेशों में बांग्लादेश, भूटान, म्यांमार, नेपाल सहित अन्य देशों में जा रहा है. उन्होंने बताया कि बांग्लादेश में इसकी जबरदस्त डिमांड है. वहीं देश में असम, बंगाल, दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, उत्तराखण्ड सहित 16 राज्यों में प्याज पहुंच रहा है. नासिक में बारिश,अलवर के किसानों को मिला भावः सैनी ने बताया कि पिछले एक माह में महाराष्ट्र के नासिक में बारिश हुई, जिसके चलते वहां की प्याज पूरी तरह से उपज नहीं हो पाई. इसी के चलते अलवर के किसानों को प्याज का अच्छा भाव मिला.महाराष्ट्र से आए व्यापारी ने कहा कि वर्तमान में नासिक में बारिश के चलते प्याज की फसल खराब हो गई. इसलिए अलवर मंडी में प्याज लेने के लिए पहुंचे हैं.

अलवर के प्याज की अवधि 70 दिनः सैनी ने बताया कि जिले में होने वाले प्याज की अवधि करीब 65 से 70 दिनों तक रहती है. इसके चलते थोड़ा जर्मिनेशन देने लग जाता है. पहले किसान गीला प्याज मंडी में ला रहे थे, लेकिन अब अच्छी क्वालिटी का प्याज मंडी में आ रहा है. जिससे प्याज लंबी दूरी तक जा सकता है.

भीलवाड़ा में अतिक्रमण पर चला बुलडोजर



24 न्यूज अपडेट

भीलवाड़ाः नगर निगम, नगर विकास न्यास और यातायात पुलिस ने मिलकर मंगलवार को शहर के अजमेर चौराहे से आरजिया चौराहा सर्किल तक अस्थाई अतिक्रमण हटाया गया. अतिक्रमण हटाने से शहर के मुख्य रोड पर यातायात व्यवस्था सुचारू हो गई है. नगर निगम के महापौर राकेश पाठक ने बताया कि शहर के अजमेर चौराहे से आरजिया चौराहे सर्किल तक बड़ी संख्या में हाथ ठेले और केबिनें रखी हुई रहती है. इससे यातायात व्यवस्था दुरुस्त नहीं रहती. इसकी लगातार शिकायत हमें मिल रही थी. नगर निगम की अतिक्रमण शाखा के साथ ही नगर विकास न्यास और यातायात पुलिस के सहयोग से अस्थाई अतिक्रमण हटाया गया है. साथ ही सभी अतिकर्मियों को हिदायत दी गई है कि वापस अतिक्रमण नहीं करें, अन्यथा सख्त कारवाई की जाएगी. अतिक्रमण हटाओ दस्ते की प्रभारी और भीलवाड़ा नगर विकास न्यास की तहसीलदार नीरज रावत ने बताया कि अजमेर तिराहे से आरजिया सर्किल तक काफी मात्रा में अस्थाई अतिक्रमण हो रखा था. इसे हटाने के लिए संयुक्त टीम बनाई गई और अतिक्रमण हटाया गया. उन्होंने कहा कि अतिकर्मी फिर से काबिज नहीं हो, इसके लिए समय-समय पर मॉनिटरिंग की जाएगी. हम नई प्लानिंग कर रहे है, जिसके तहत अस्थाई रोडवेज बस स्टैंड बना है. वहां पर सीमेंट के ब्लॉक लगाए जाएंगे.

महामहिम बोले - टेंडर कंपनी को नुकसान की भरपाई निगम करेगा, सवाल-नुकसान की आशंका अभी से

क्यों? कंपनी ने खुद सरकारी दर से 24 परसेंट कम पर ठेका लिया है?? कॉपी पेस्ट वालों को चार्जशीट कब??



कॉपी पेस्ट वालों को मिलनी चाहिए चार्जशीट

कापी पेस्ट करके पूरे के पूरे टेण्डर डाक्यूमेंट का कबाड़ा निगम के जिन अफसरों ने किया उनको चार्जशीट मिलनी चाहिए व पूरे डाक्यूमेंट का हुआ खर्च उनकी तनख्वाह से वसूला जाना चाहिए। साथ ही जांच होनी चाहिए कि ऐसा हुआ या किया गया। उस फर्म को ब्लैक लिस्ट करना चाहिए जिसने यह बनाया है। एलिवेटेड रोड के डाक्यूमेंट में ऐसी लापरवाही करने वाले अफसरों के नाम भी सार्वजनिक होने चाहिए। इतने बड़े काम में ऐसी लापरवाही अक्षम्य है। कहीं ऐसा तो नहीं हुआ कि टेण्डर लेने वाली कंपनी को लाभ देने के लिए डाक्यूमेंट में लूप हॉल छोड़ दिए गए जिनके सहारे बाद में क्लैम उठाए जा सकते हो। जो निगम के अफसर नक्शे में एक-एक इंच का हिसाब किताब करते हुए नोटिस जारी कर देते हैं। वे यदि ऐसी ब्लंडर टेण्डर डाक्यूमेंट में छोड़ दे ंतो भ्रष्टाचार की आशंका दिखना आना स्वाभाविक है।

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। एलिवेटेड फ्लाई ओवर के भूमि पूजन की राजनीतिक औपचारिकता पूर्ण होने के बाद अब यह सवाल खत्म हो गया है कि कौन इसके पक्ष में है और कौन विपक्ष में। अब तो सवाल यह है कि इसकी ड्यूरेबिलिटी, एफिशिएंसी कैसी होगी। इस काम का टेण्डर लेने वाली कंपनी के काम की बारीकी से निगरानी कैसे व कितनी सटीक होगी। एलिवेटेड फ्लाई ओवर में जनता का 137 करोड़ रूपया लग रहा है। चाहे जो दल और विचारधारा हो, सब यही चाहेंगे कि जिसने ठेका लिया है वो अपना काम पूरी ईमानदारी व समयबद्ध रूप से नियमों के अनुसार करे। टेण्डर डाक्यूमेंट क्या व क्यों कह रहा है? उसमें क्या लूप होल्स किसके लाभ के लिए छोड़ दिए गए हैं? इसके परिणाम क्या हो सकते हैं? निगम के किन इंजीनियरों को कॉपी पेस्ट करने पर चार्जशीट मिलनी चाहिए। टेण्डर डाक्यूमेंट का पैसा वापस वसूला जाना चाहिए। इस पर बात होनी चाहिए ताकि आगे कोई इस तरह की लापरवाही करने की जुर्रत ना कर सके। कल भूमि पूजन समारोह में महामहिम गुलाबचंदजी कटारिया साहब के भाषण की कुछ पंक्तियों से भी सवाल उठने कि कहीं ठेका कंपनी को जरूरत से ज्यादा संरक्षण देने की बात पहले दिन से तो नहीं की जाने लगी है। हम इमोशनल होकर जरूरत से ज्यादा उदार तो नहीं हो रहे हैं। एलिवेटेड के भूमि पूजन पर कटारियाजी ने ठेका कंपनी को आश्वासन देते हुए कहा कि- कम्पीटिशन में लिए टेण्डर में निर्माण के दौरान यदि कंपनी को घाटा या नुकसान होगा तो उसकी भरपाई हम करेंगे। लेकिन काम से किसी तरह का समझौता नहीं होना चाहिए। यदि उदयपुर का विकास होगा तो हमारा भी विकास होगा। महामहिम की इस बात के निहितार्थ भले ही बेहतरीन काम करवाने का हो मगर नुकसान की भरपाई समझ से परे है। आपको बता दें कि इस काम के लिए सरकारी निविदा 179 करोड़ की प्रस्तावित थी। लेकिन जिस फर्म को टेण्डर मिला उसने 137 करोड़ में इस काम को पूरा करने का वादा करते हुए ठेका लिया है। अर्थात सरकारी दरों से 24 प्रतिशत कम पर ठेका दिया गया है। यही नहीं, कई शर्तों के साथ ही ठेका कंपनी इस एलिवेटेड फ्लाई ओवर का 10 साल तक रख रखाव भी देखेगी। ठेका कंपनी ने अपना नफा और नुकसान देखने के बाद ही सरकारी दर से 24 परसेंट से कम रेट में टेण्डर भरा व टेण्डर उसके नाम पर खुल गया। जबकि सरकारी इंजीनियरों ने इस काम की लगत 179 करोड़ तय की थी। याने ठेका कंपनी यह मान कर चल रही है कि उसको नुकसान तो नहीं होना है। काम शुरू होने से पहले ही ठेकेदार को उसके नुकसान की भरपाई देने से यह संदेश भी जा रहा है कि कहीं ओवर प्रोटेक्शन की नीति तो नहीं अपनाई जा रही है? कहीं बाद में क्लैम उठाने के खेल तो नहीं चलेंगे जैसा कि आम तौर पर होता है। कल महामहिम कटारियाजी यहां तक कह गए कि कंपनी ने बाजार के कम्पीटिशन के चलते यह टेण्डर 137 करोड़ रुपए की लागत में किया है। बाजार में कंपीटीशन पहले भी था, आज भी है व कल भी रहेगा। सारे ठेके कंपीटीशन में ही लिए जाते हैं। ऐसे में यदि कंपनी ने केवल कंपीटीशन के चलते टेण्डर में कम राशि भरी है तो यह चिंता की बात है। कटारियाजी ने कहा कि कंपनी काम में किसी तरह का समझौता ना करें। कंपनी उच्च क्वालिटी की एलिवेटेड रोड का निर्माण कर उदयपुर को दे ताकि शहर में लगने वाले जाम से मुक्ति मिल सके। कटारिया ने महापौर जी.एस टांक की भी तारीफ करते हुए कहा कि टांक जैसे इंजीनियर के कारण ही एलिवेटेड़ की लागत 137 करोड रुपए आई है, जबकि मैं खुद इसे 250 करोड रूपए की सोच कर चल रहा था। अब दूसरे बिंदु पर आते हैं जिसमें कटारियाजी ने कहा कि काम की गुणवत्ता पर ध्यान देना होगा। लेकिन इतने बड़े प्रोजेक्ट की रिपोर्ट और टेण्डर डाक्यूमेंट में यहां के इंजीनियरों ने जो कॉपी-पेस्ट का खेल खेलकर भ्रष्टाचार किया है उसका क्या होगा? टेण्डर डाक्यूमेंट में कुछ ऐसी बातें लिखी हैं जो मुमकिन ही नहीं है। मसलन रेलवे से परमिशन लेने की शर्त समझ से परे है। इस काम से रेलवे का कोई लेना-देना नहीं है। ना तो काई पटरी बीच में आ रही है ना कोई पुल। दूसरा, एक महीने में पूरे के पूरे मार्ग से अतिक्रमण हटा कर उसको खाली करवा कर ठेका कंपनी को सौंपना। यह करना संभव ही नहीं है। उससे भी बड़ा सवाल ये है कि सब चाहते हैं कि काम गुणवत्तापूर्ण हो। लेकिन क्या ऐसा संभव है। इसे संभव से परे हमारे निगम के ही इंजीनियर बना रहे हैं। ठेका कंपनी इन लूप होल्स के सहारे बड़ी ही आसानी से किसी भी जिम्मेदारी से बच सकती है या फिर गुणवत्ता की बात होती ही कानूनी रूप से पल्ला झाड़ सकती है कि यह सब को टेण्डर की शर्तों में लिखा ही नहीं है। निगम जो इंजीनियर निगम के टेण्डर के 500 पेज का डाक्यूमेंट ठीक से नहीं जांच सकते वो इतने बड़े काम की गुणवत्ता को क्या व कैसे जांचेंगे। इसकी उम्मीद करना ही बेमानी है। टेण्डर डाक्यूमेंट को देख कर ऐसा लग रहा है मानों पूरा का पूरा काम ही ''उदड़े'' पर दे दिया गया है। कॉपी पेस्ट वाले टेण्डर डाक्यूमेंट में कहीं पर भी जिक्र नहीं है कि पूरे निर्माण में सामान की विशिष्टियां क्या होंगी। सामान की विशिष्टियां मतलब कि हर चीज की बारीकी। उदाहरण के लिए लोहा टाटा स्टील का लगेगा या री रोड या लोकल गला हुआ लगेगा। सीमेंट कौनसे ग्रेड की लगेगी, गिट्टी रेत आदि की गुणवत्ता की कोई चर्चा नहीं की गई है। अगर विशिष्टियां नहीं लिखी जाएंगी और कल को ठेकेदार उदयपुर में ही भंगार से बने हुए सरिये लगा देगा व कम ग्रेड की सीमेंट काम में लेगा तो हमारे कापी पेस्ट वाले इंजीनियर साहब उन्हें कैसे रोकेंगे। क्योंकि टेंडर में ही कहीं नहीं लिखा है कि कौनसा लोहा-स्टील, सीमेंट लगेगा। ऐसे में कोई लायबिलिटी भी नहीं बनेगी। यह सब इसलिए हुआ है क्योंकि ना बड़े वाले इजीनियर साहब ने इसे पढ़ा है ना महापौर साहब ने इस डाक्यूमेंट को खोल कर देखा है जिनकी तारीफ की जा रही है।

आज जाने क्यों याद आ गया- 'द बर्निंग ट्रेन' फिल्म का गाना-' तेरी है जमीं, तेरा आसमां तू बड़ा मेहरबां तू बक्शीस कर...

नॉन पॉलिटिकल टिप्पणी-सुशील जैन



24 न्यूज अपडेट

आबोहवा में आज शाम को सर्द मौसम से बतियाते हुए पता नहीं क्यों 1980 में रिलीज हुई 'द बर्निंग ट्रेन' फिल्म का गाना याद आ गया- 'तेरी है ज़मीन तेरा आसमां तू बड़ा मेहरबां तू बक्शीस कर। सभी का है तू, सभी तेरे ख़ुदा मेरे तू बक्शीस कर। गुनगुनाते हुए बार-बार बर्निंग ट्रेन की याद्दाश्त वाली कैसेट -'तू बड़ा मेहरबां तू बक्शीश कर.... पर' आकर अटक रही थी।

शाम के धुंधलके में देखा तो रात दबे पांव चली आ रही थी। कहीं बहुत पास ही 'गम' वालों की बस्ती में एक मजमा लगा हुआ था। भाषणों के गुलदस्ते सजे थे। कोई 'राग भैरव' गा रहा था तो कोई राग 'माल-कोस'। 'राग बसंत' वाले चहक तो बहुत रहे थे मगर किसी की गैर मौजूदगी से उनकी चिंता की चिड़िया बार-बार 'बाज' हुए जा रही थी। कोई कह रहा था कि 'बाग-बाग' हो जाता समां जो मंगल विहार वाले इस धार्मिक मौसम में 'सर्वेसर्वा भाई-साहब' तशरीफ ले आते।.....इस बीच एक बार फिर यादों का समंदर हिलोरे लेते हुए 'द बर्निंग ट्रेन' के गाने पर लेकर गया- ''तूं चाहे तो हमें रखे, तूं चाहे तो हमें मारे।.....तू चाहे तो हमें मारे। ....तेरे आगे झुकाके सर, खड़े हैं आज हम सारे।'' गाना आगे बढ़ता उससे पहले ही किसी पत्रकार मित्र ने ध्यान भंग किया व पूछ लिया - 'आज क्या खास बात है। 'राजनीतिक पटल पर कुछ खास हो रहा है क्या?? मैं फिर गुनगुनाया-''तू चाहे तो हमें रक्खे, तूं चाहे तो हमें मारे। ''..तेरी है जमी, तेरा आसमां, तूं बड़ा मेहरबां, तूं बक्शीस कर.....। '' पत्रकार मित्र हवा में नजर घुमाते हुए बोला-' यार, आजकल ''फॉग'' बहुत चल रहा है। जो पास है वो भी नहीं दिख रहा और जो दिख रहा है वो कितना पास है इसका पता ही नहीं चल रहा। मैं 'नॉन पॉलिटिकल हंसी' में हंस दिया। मित्र ने फिर कुरेदा-''यार! आजकल शहर का 'पॉलिटिकल पीएम पार्टिकल' कुछ बढ़ा हुआ सा नहीं लग रहा है तुमको। मैंने कहा-'हां यार, कुछ धुआं 'फ्लाई ' होकर 'ओवर' हो जाए और कुछ गुबार को 'एलिवेशन' मिल जाए तो राजनीति में अच्छा रहता है। यदि जमीं पर ही धुआं घिर आए तो गले में खराश होने लगती है।.

.... मैं बोलते-बोलते रौनक-ए-महफिल के उदगार सुनने में लग गया। उधर, फिर से यादों की सूई अटक गई.... इस बार पत्रकार दोस्त गाने लगा- - 'तेरी है जमी, तेरा आसमां, तूं बड़ा मेहरबान। तूं बक्शीश कर।'

.....मैं बोला-यार, पॉलिटिक्स के खेत में बरसों से ''ठूंठ''जल रहे हैं। बेचारे मेहनतकशों को दो फसलों के बीच मन मुताबिक 'खेत' ढंग से जोतने का मौका ही नहीं मिल पा रहा है। .....मर्ज का गुबार उठता तो है मगर कहीं मुकाम पर पहंच ही नहीं रहा है।

. ...दोस्त भांप गया कि कुछ तो सुलग रहा है कहीं पर। उसने कुरेद कर पूछा - ''उनकी गैर मौजूदगी के चर्चे तुमने भी सुने हैं क्या? ' मैंने कहा-'तेरी है जमीं, तेरा आसमां और तू बड़ा मेहरबां वालों के साथ ही 'सितारों' से आगे जहां और भी हैं। जो हिम्मत के हाइवे पर ''द ग्रेट सेपरेटर'' बनाने का हौसला रखेगा, वो मंजिल तक जरूर पहुंचेगा।

हम दोनों दोस्तो ने ठहाका लगाया और अलविदा कहते फिर अलग-अलग राहों पर हुए आगे बढ़ गए।

बांसवाड़ा में ऑनलाइन धोखाधड़ी के 3 आरोपी गिरफ्तारःफर्जी ऐप के जरिए 5 हजार रुपए ट्रांसफर करने का दिया था झांसा



24 न्यूज अपडेट

बांसवाड़ा. ऑनलाइन पैसे ट्रांसफर के नाम पर धोखाधड़ी करने वाले तीन आरोपियों को बांसवाड़ा की कोतवाली थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

सीआई देवीलाल ने बताया- आरोपियों की पहचान आकाशवाणी कॉलोनी निवासी 25 वर्षीय राहुल गरासिया, 19 वर्षीय नकुल पण्ड्या और नीलम नगर निवासी 18 वर्षीय धीरज शाक्य के रूप में हुई है। तीनों के खिलाफ धोखाधड़ी की शिकायत 13 नवंबर को टीना (38) पत्नी भरत सिंह ने दर्ज कराई थी।

रिपोर्ट में टीना ने बताया- आरोपियों ने मुझे एक फर्जी ऐप के माध्यम से स्कैन करके 5 हजार रुपए ट्रांसफर करने का झांसा दिया था। हालांकि पैसे ट्रांसफर नहीं हुए, जबकि मोबाइल पर ट्रांसफर होने का मैसेज आ गया था। जांच में यह भी सामने आया कि आरोपियों ने राकेश गुप्ता, अशोक कुमार जैन और दीपेश उपाध्याय जैसे अन्य लोगों से भी इसी तरह की धोखाधड़ी की थी। पुलिस की जांच में यह बात सामने आई कि आरोपियों ने एक फर्जी ऐप का उपयोग करते हुए क्यूआर कोड को स्कैन किया। इससे ट्रांसफर का झांसा दिया गया लेकिन वास्तविक में पैसे ट्रांसफर नहीं होते थे। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। टीम में एसआई गंगाराम, एएसआई चंद्रवीर सिंह, कॉन्स्टेबल विशाल, सुनील, अरविंद और भूपेंद्र सिंह शामिल थे।

हाईवे पर पलटे ट्रोले से टकराई कार, एक की मौतःहादसे में 4 लोग घायल, उदयपुर से जा रहे थे अहमदाबाद



24 न्यूज अपडेट

डूंगरपुर. डूंगरपुर के बिछीवाड़ा थाना इलाके में एनएच 48 पर खजूरी गांव के पास मंगलवार सुबह एक कार हाईवे पर पलटे ट्रोले से टकरा गई। हादसे में कार सवार एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि 4 अन्य लोग गंभीर घायल हो गए। घायलों को प्राथमिक इलाज के बाद हायर सेंटर रेफर किया गया है। पुलिस ने शव को मॉर्चुरी में रखवाया है।

बिछीवाड़ा थानाधिकारी कैलास सोनी ने बताया कि मंगलवार सुबह करीब साढ़े 5 बजे गुजरात नंबर की एक कार उदयपुर से अहमदाबाद की ओर जा रही थी। इस दौरान एनएच 48 पर खजूरी गांव के पास कार सड़क पर पहले से पलटे ट्रोले में घुस गई। हादसे में कार सवार 5 लोगों में से एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 4 लोग गंभीर घायल हो गए। सूचना पर बिछीवाड़ा पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को कार से बाहर निकला। एम्बुलेंस की मदद से घायलों को बिछीवाड़ा अस्पताल पहुंचाया, जहां घायलों की हालत गंभीर होने पर उन्हें प्राथमिक इलाज के बाद गुजरात के हिम्मतनगर रेफर कर दिया। वहीं शव को पुलिस ने मॉर्चुरी में रखवाया है। मृतक की पहचान अहमदाबाद निवासी जय भाई वसाना के रूप में हुई है। परिजनों के आने के बाद शव का पोस्टमॉर्टम करवाया जाएगा। कार सवार सभी लोग गुजरात के रहने वाले हैं।

24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा ।